सक्सेस मिरर

वर्ष : 8
अंक : 94
नवम्बर : 2017

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

7 सफलता खुशी की कुंजी नहीं, खुशी सफलता की कुंजी है

8 समसामयिकी घटना संग्रह

10 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

19 आर्थिक घटना संग्रह

- यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान सेवा एप 'तेज' लाच
- भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. को महारत्न का दर्जा
- केन्द्र सरकार ने दक्षिण कोरिया से सोने-चाँदी के आयात पर प्रतिबंध लगाया
- 2016-17 में सर्वाधिक निजी निवेश गुजरात में

22 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- सेना में महिला जवानों की भर्ती को मंजूरी
- उत्तर प्रदेश सरकार ने भूमि रिकॉर्ड को आधार के साथ जोड़ने की घोषणा की
- राष्ट्रीय पेंशन योजना की आयु सीमा में वृद्धि

28 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- बेलारूस गणराज्य के राष्ट्रपति की भारत यात्रा
- 10वीं भारत–यूरोपीय संघ आतंकवाद प्रतिरोध वार्ता
- 9वाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन–2017 सियामेन में आयोजित
- अमरीका के 50 शीर्ष राजनीतिज्ञों में 5 भारतीय शामिल

32 खेल खिलाड़ी

- गोवा में किया जाएगा 36वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन
- स्पॉट फिक्सिंग मामले में पाकिस्तान के शर्जील खान पर लगा 5 वर्ष का बैन
- क्रिस गेल बने टी-20 क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज
- जेम्स एंडरसन इंगलैंड की तरफ से 500 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज
- कुलदीप यादव बने वनडे मैचों में हैट्रिक लेने वाले पहले भारतीय स्पिन गेंदबाज
- लुइस हैमिल्टन ने सिंगापुर ग्रांड प्रिक्स का खिताब जीता

35 विज्ञान समाचार

38 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

42 सामाजिक लेख–सोशल मीडिया के लाभ व हानि

43 समसामयिक सामाजिक लेख–वरिष्ठ नागरिकों/बुजुर्गों के लिए केन्द्र सरकार की कुछ नई योजनाएं

44 अन्तरिक्ष लेख–चन्द्रयान-2 की तैयारी

86 प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता

87 तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-91 का परिणाम

89 व्यक्ति परिचय

90 रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

45 रेलवे भर्ती बोर्ड गैर-तकनीकी (एनटीपीसी) परीक्षा, 2016

53 एस.एस.सी. मल्टी टॉस्किंग (गैर-तकनीकी) स्टाफ परीक्षा, 2016

64 उत्तराखण्ड कॉंस्टेबिल (महिला) भर्ती परीक्षा, 2016

69 सशस्त्र सीमा सुरक्षा बल कॉंस्टेबिल ट्रेड्समैन भर्ती परीक्षा, 2017

75 आगामी उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड शिक्षक पात्रता परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक** : महेन्द्र जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस** : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66

➲ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना– 800 004
फोन– 0612-2673340
मो– 09334137572

➲ **कोलकाता ऑफिस**
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर,
कोलकाता– 700 003 (W.B.)
मो– 07439359515

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा आर. टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036
(तेलंगाना) मो– 9391487283

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल– 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो– 07060421008

➲ **इन्दौर**
30-31, जिन्सी हाट मैदान,
बाबा रामदेव मंदिर के निकट
मलहारगंज
इन्दौर– 452 002 (म.प्र.)
फोन– 9203908088

➲ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

➲ **नागपुर ऑफिस**
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान मन्दिर के सामने,
नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
फोन– 0712-6564222
मो– 09370877776

सफलता खुशी की कुंजी नहीं, खुशी सफलता की कुंजी है.....

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

"To receive something good you must get yourself onto the goodness frequency. To give yourself to that goodness frequency think good thoughts, speak good words, and take good actions."

आप कुछ अच्छा पाना चाहते हैं, तो सबसे पहले स्वयं को एक अच्छी फ्रीक्वेंसी पर ले आइए, क्योंकि इस ब्रह्माण्ड का नियम है कि आपको वही मिलता है, जो आप स्वयं होते हैं. यदि आप अच्छा सोचते हैं, अच्छा बोलते हैं और अच्छे कर्म करते हैं, तो आपको परिणाम (Result) में भी अच्छी महसूसी ही मिलेगी. वस्तुतः आप एक 'चुम्बक' हैं, जो सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड से अपनी ओर धाराओं को आकर्षित करते हैं. अगर आप खुश हैं, तो आपको खुशियाँ मिलेंगी और इसके विपरीत, अगर आप दुःखी हैं, तो और अधिक दुःख को ही पाएंगे. अतः सफलता प्राप्त करनी है, तो खुश होना सीखिए. आप इस बात को जरूर ध्यान रखिए कि "सफलता खुशी की कुंजी नहीं, खुशी सफलता की कुंजी है."

"Success is not the secret of joy;
Joy is the secret of success."

अगर आप खुश रहना जानते हैं, तो आप सफलता के हकदार हैं, यदि आपको खुश रहने की कला नहीं आती है, तो जीवन में सफल होना भी मुश्किलप्रायः ही है. खुश रहने की कला जानना बड़ी महत्वपूर्ण बात है. खुश रहने के लिए किन्हीं क्षणों का इंतजार मत कीजिए, बस उसी क्षण से अकारण प्रसन्न होना प्रारम्भ कर दीजिए. आत्मज्ञानी श्री विराट गुरुजी कहा करते हैं कि "भूत को याद मत करो, भविष्य को जानने का प्रयास मत करो. मात्र वर्तमान को प्रफुल्लित करो. आपके वारे-न्यारे हो जाएंगे." जबकि अधिकांश लोग बीती बातों में, यादों में, पुराने दिनों के ऐशो-आराम की चर्चा में ही खोए नज़र आते हैं या तो बीते दिन या अनागत दिन हमारी दृष्टि में घूमते रहते हैं. हकीकत में हमें इस पल की प्रफुल्लता में जीना है. इसके लिए एक काम करो—प्रतिदिन, प्रतिक्षण, जिससे भी मिलो, परिवारीजनों से, मित्रों से, कुलीन से, अजनबी से या किसी भी परिचित से उन्हें खुशी का दान दो, प्यारी-सी मुस्कान दो. उनको मिलकर उनके लिए दुआ करो कि वे सदा खुश रहें. आपका प्रत्येक से मिलना एक खुशी की सौगात हो, उनके लिए गुडलक हो, सौभाग्य हो, उन्हें सुन्दर उपहार दो. ऐसा करने से आपको, जितनी आप दोगे उससे कई गुना अधिक खुशियाँ मिलेंगी. आपका खुशनुमा व्यक्तित्व, उदार दिल सबमें प्रेम व उत्साह का संचार करेगा. यह उत्साह व प्रेम का आविर्भाव आपको जीवन के प्रति सकारात्मक संगीतपूर्ण बनाएगा. यही सकारात्मकता आपके जीवन में सफलता के द्वार खोलेगी. ध्यान दीजिएगा, सफलता एक अहसास है यह किसी व्यक्ति, वस्तु या पद की उपलब्धि का नाम नहीं है. हर प्राप्त उपलब्धि (Achievement) नश्वर है, किन्तु आनन्द का अहसास अविनश्वर है, आनन्द का अहसास जीवन है, जो सदा रह सकता है. बशर्ते तुम आनन्दित रहना जानो.

इस दुनिया में दो ही तत्व हैं—एक है ईश्वर, जिसे ब्रह्म भी कहते हैं व दूसरा है नश्वर, जिसे पुद्गल या माया भी कहते हैं. वह जो बनावट है Formed है, वह माया है, पुद्गल है, किन्तु जो बनावट में प्राण फूँकता है, जो जानदार है, सजीव है, वह ईश्वर है. ईश्वर चेतन तत्व का नाम है और अचेतन तत्व का नाम है, नश्वर. अगर हम भौतिक उपलब्धियों को हासिल कर लेने का नाम 'सफलता' मानें, तो वह नश्वर है, मरणशील है, क्योंकि हर बनावट व सजावट बिगड़ती ही बिगड़ती है. वो उस फूल की तरह है, जो खिलनें के साथ ही मुरझाना चालू हो जाता है, किन्तु अनश्वर है, हमारा होनापन, जो शाश्वत है, कभी न मरने वाला है. उसकी पहचान है हमारा आनन्द स्वभाव. हमारी महसूसी (Feelings). अगर हम खुशनुमा हैं, तो सब खुशनुमा होंगे.